उच्च उत्पादन हेतू सस्य क्रियाएं

- बीज को टेवुकोनांजोल 2 प्रतिशत डीएस एक किलों के हिसाब से उपचारित करने के उपरान्त बुआई करनी चाहिए।
- बीज की बुआई सही समय पर (1–10 नवम्बर के बीच मे) करनी चाहिए।
- बुआई के लिए 100 किलोग्राम की दर सें बीज की मात्रा का प्रयोग करें।
- गोबर की खाद की मात्रा 15 टन/है. के हिसाब सें व ना. फा. पों. की मात्रा 150 प्रतिशत तक प्रयोग करनी चाहिए।
- अगेती बुआई में वृद्धि नियंजक के दो स्प्रे जो कि क्लोरमक्वाट क्लोराइड (सीसीसी) को 0.2 प्रतिशत के साथ टेबुकोनोजोल 250 ईसी को 0.1 प्रतिशत के स्प्रे को प्रथम गांठ एवं फ्लेग पजी के समय व 150 प्रतिशत ना.फा.पों. की मात्रा का प्रयोग करके अधिक उत्पादत किया जा सकता है।

Package of practices for higher production

Seed treatment: Tebuconazole 2% DS @1g/kg seed.

- Sowing Time: 1-10, November
- Seed rate: 100 Kg/ hectare
- Dosage of Fertilizers: Application of 15t/ha of Farm Yard Manure with 150% NPK and growth regulators is recommended.
- Growth regulators: Early sowing and application of 150% NPK followed by two sprays of growth regulator as Chlormequat chloride (CCC) @ 0.2%+ tebuconazole 250EC @ 0.1% (at First Node and Flag leaf) is more beneficial in this variety.

दृष्टांत: ज्ञानेंद्र सिंह, विकास गुप्ता, चरण सिंह, भूदेव सिंह त्यागी एवं अमित कुमार शर्मा (2024). डीबीडब्ल्यू 377 (करण बोल्ड) मध्य क्षेत्र के लिए सिंचित उच्च उर्वरता दशाओं के लिए उन्नत किस्म

प्रतियां : 500

प्रकाशन: निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान
करनाल–132001

Citation: Gyanendra Singh, Vikas Gupta, Charan Singh, BS Tyagi and Amit Kumar Sharma (2024). Bread wheat variety Karan Bold (DBW377) for irrigated early sown conditions of Central Zone. P.4
Number of Copies: 500.
Published by:
Director, ICAR-IIWBR, Karnal-132001

किसान सहायता नम्बर
(टोल फ्री)
1800 180 1891

विस्तार फोल्डर 98/2024
Extension Folder 98/2024

डी बी डब्ल्यू 377 (करण बोल्ड) मध्य क्षेत्र के लिए सिंचित उच्च उर्वरता दशाओं के लिए उन्नत किस्म

(मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, यूपी का झाँसी डिवीजन और राजस्थान का कोटा और उदयपुर डिवीजन)

Bread Wheat Variety Karan Bold (DBW 377) for irrigated, high fertility conditions of Central Zone

(Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Gujarat, Jhansi division of UP and Kota & Udaipur divisions of Rajasthan)

भा.कृ.अनु.प.– भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान
करनाल–132001 भारत
ICAR-Indian Institute of Wheat & Barley Research
Karnal - 132001 India

जलवायु एवं उपयुक्त क्षेत्र

डी बी डब्ल्यू 377 (करण बोल्ड) गेहूँ की किस्म को मध्य क्षेत्र के लिए सिंचित एवं अगेती बुआई हेतु वर्ष 2024 में किस्मों के विमोचन और अधिसूचना की केंद्रीय उपसमिति द्वारा अनुमोदित किया गया है।

इस किस्म को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, गुजरात, काँसी, कोटा एवं उदयपुर के संभागों में उगाने के लिए अनुमोदित किया गया।

डी बी डब्ल्यू 377 का उपज परिक्षणों में प्रदर्शन

- डी बी डब्ल्यू 377 की उच्चतम उपज चेक प्रजातियों, जैसे डी बी डब्ल्यू 303 (6.25 प्रतिशत), डी बी डब्ल्यू 187 (4.4 प्रतिशत) एवं जी डब्ल्यू 322 (1.3 प्रतिशत) से अधिक पाया गया।
- डी बी डब्लयू 377 की सिंचित अगेती बुआई में उपज क्षमता 86.4 कु./है. दर्ज की गयी।

सस्य क्रियाओं मे प्रदर्शन

- सस्य परक्षिणों में डी बी डब्ल्यू 377 को उर्वरकों की अनुमोदित मात्रा में उपज क्षमता में प्रथम स्थान पर पाया गया।
- इस किस्म का एक हजार दानों का भार (48 ग्रा.) अन्य परक्षिण किस्मों एवं चेक किस्मों से अधिक पाया गया।

जैविक तनाव प्रतिरोधिता

- डी बी डब्ल्यू 377 भूरा एवं काला रतुआ रोग के लिए अधिक प्रतिरोधी है।
- जीन अभिधारणा के परक्षिण से पता चला है कि इस किस्म में *Lr 23+1+* भूरा रतुआ एवं काला रतुआ की जीन विद्यमान है।
- डी बी डब्ल्यू 377 में गेहूँ ब्लास्ट बीमारी के लिए भी प्रतिरोधी जीन पायी गयी जिसका औसत स्कोर 10.0 है। इस किस्म में करनाल बण्ट प्रतिरोधी क्षमता भी अधिक पायी गयी।

दानों की गुणवता

- डी बी डब्ल्यू 377 में अच्छी मात्रा में प्रोटीन (11.7 प्रतिशत), उच्च हक्टोलीटर भार (79.5), अधिक बिस्कुट फैलाव (8.5/10.0) एवं अच्छा चपाती गुणवता स्कोर (7.7/10) पाया गया।

Climate and area of suitability:

Bread wheat variety Karan Bold (DBW 377) have been recommended for early sowing under irrigated conditions in the Central zone of India during the year 2024, by the Central Sub-committee for Release and Notification of Varieties. The recommended area for cultivation is in the states of Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Gujarat, Jhansi division of UP and Kota & Udaipur division of Rajasthan.

Superior Performance in Yield Trials

- DBW 377 recorded high mean yield (63.9q/ha) and established yield superiority over check varieties DBW 303 (6.25%), DBW 187 (4.4%) and GW 322 (1.3%).
- DBW 377 registered high yield potential (86.4q/ha) under irrigated early sown conditions

Superior Performance in Agronomic Trials

- DBW 377 ranked first in the experiment on recommended dose of fertilizers in agronomic trials,
- It has shown the highest thousand grain weight (48g) among test entries and check varieties

Resistance to biotic stresses

- DBW 377 is highly resistant for leaf and stem rust
- Under APR studies, it has shown resistance to predominant races of brown rust and stem rust disease of wheat
- Gene postulation indicated gene combination *Lr23+1+* for brown rust and R for black rust.
- DBW 377 is resistant to wheat blast disease (Avg. Score 10.0), and has shown better resistance against Karnal bunt.

Grain Quality

- DBW 377 has high grain protein content (11.7%), hectoliter weight (79.5), high biscuit spread factor (8.5) and good chapati quality score (7.7/10).